इस पुस्तिका में **16** मुद्रित पृष्ठ हैं।
This Booklet contains **16** printed pages.

DET–24–II

मुख्य परीक्षा पुस्तिका संख्या
Main Test Booklet No.

Language Code **16**

प्रश्न-पत्र—II / PAPER—II
संस्कृत भाषा परिशिष्ट
SANSKRIT LANGUAGE SUPPLEMENT
भाग IV & V / PART IV & V

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।
Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.

इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ संख्या 16) पर दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page No. 16) of this Test Booklet.

मुख्य परीक्षा पुस्तिका कोड/Main Test Booklet Code
M

संस्कृत में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका के पृष्ठ संख्या 2 व 15 देखें। / For Instructions in Sanskrit, see Page Nos. 2 and 15 of this Booklet.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो **या** तो भाग—IV (भाषा—I) **या** भाग—V (भाषा—II) **संस्कृत** भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन **दोनों नहीं**।
2. परीक्षार्थी भाग I एवं भाग II **या** III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से।
3. अंग्रेजी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग—IV व भाग—V के अन्तर्गत दिए गए हैं। भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं।
4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं उत्तर-पत्र पर निशान लगाने के लिए **केवल नीले/काले बॉलपॉइंट पेन** का प्रयोग करें।
5. इस भाषा पुस्तिका का **संकेत M** है। यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका का संकेत, उत्तर-पत्र के **पृष्ठ-2** एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है। अगर यह भिन्न हो, तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ।
6. इस परीक्षा पुस्तिका में **दो** भाग IV और V हैं, जिनमें **60** वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं तथा प्रत्येक 1 अंक का है :

   भाग—IV : भाषा—I (संस्कृत) (प्रश्न सं० 91–120)
   भाग—V : भाषा—II (संस्कृत) (प्रश्न सं० 121–150)
7. भाग—IV में भाषा—I के लिए 30 प्रश्न और भाग—V में भाषा—II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं। इस परीक्षा पुस्तिका में केवल संस्कृत भाषा से सम्बन्धित प्रश्न दिए गए हैं। **यदि भाषा—I और/या भाषा—II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) संस्कृत के अलावा है/हैं, तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लें। जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन-पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए।**
8. **परीक्षार्थी भाग—V (भाषा—II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा—I (भाग—IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो।**
9. रफ़ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें।
10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर-पत्र पर ही अंकित करें। अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें। उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. This Booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer **EITHER** Part—IV (Language—I) **OR** Part—V (Language—II) in **SANSKRIT** language, but **NOT BOTH**.
2. Candidates are required to answer Part I and Part II **OR** III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.
3. Questions on English and Hindi languages for Part—IV and Part—V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
4. Use **Blue/Black Ballpoint Pen only** for writing particulars on this page/marking responses in the Answer Sheet.
5. The CODE for this Language Booklet is **M**. Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Test Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
6. This Test Booklet has **two** Parts, IV and V, consisting of **60** Objective-type Questions and each carrying 1 mark :

   Part—IV: Language—I (Sanskrit) (Q. Nos. 91–120)
   Part—V : Language—II (Sanskrit) (Q. Nos. 121–150)
7. Part—IV contains 30 questions for Language—I and Part—V contains 30 questions for Language—II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Sanskrit Language have been given. **In case, the language(s) you have opted for as Language—I and/or Language—II is/are language(s) other than Sanskrit, please ask for a Test Booklet that contains questions on that language. The languages being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.**
8. **Candidates are required to attempt questions in Part—V (Language—II) in a language other than the one chosen as Language—I (Part—IV) from the list of languages.**
9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) :
Name of the Candidate (in Capitals) : ____________________

अनुक्रमांक (अंकों में)/Roll Number (in figures) : ____________________

(शब्दों में)/(in words) : ____________________

परीक्षा-केन्द्र (बड़े अक्षरों में) :
Centre of Examination (in Capitals) : ____________________

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :
Candidate's Signature : ____________________

निरीक्षक के हस्ताक्षर :
Invigilator's Signature : ____________________

Facsimile Signature Stamp of Centre Superintendent ____________________

अस्यां पुस्तिकायां 16 पृष्ठानि सन्ति।

DET–24–II

परीक्षा-पुस्तिका-संकेतकम्

M

Language Code
16

प्रश्नपत्रम्—II

संस्कृत-भाषा-परिशिष्टम्

भागः IV एवं V

यावन्न कथ्येत तावत् इयं परीक्षा-पुस्तिका न अनावरणीया।

अस्याः परीक्षा-पुस्तिकायाः पृष्ठावरणयोः (पृष्ठे 15 एवं 16) प्रदत्ताः निर्देशाः ध्यानपूर्वकं पठनीयाः।

परीक्षार्थिभ्यो निर्देशाः —

1. इयं पुस्तिका मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायाः एकं परिशिष्टं तेभ्यः परीक्षार्थिभ्यः अस्ति ये IV भागस्य (भाषा I) **अथवा** V भागस्य (भाषा II) परीक्षां **संस्कृत**भाषया दातुमिच्छन्ति, **न तु द्वयोः भागयोः**।
2. परीक्षार्थिभिः भाग I, II, III भागानाम् उत्तराणि मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकातः देयानि अपि च IV तथा V भागानाम् उत्तराणि तैः चिताभिः भाषाभिः।
3. आंग्लभाषायां हिन्दीभाषायां च प्रश्नाः मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायां IV भागे तथा V भागे च प्रदत्ताः। भाषा-परिशिष्टानि भवद्भिः पृथक्तया याचितुं शक्यन्ते।
4. अस्मिन्पृष्ठे च विवरणम् अङ्कयितुम् उत्तर-पत्रे च चिह्नम् अङ्कयितुं **केवलं कृष्ण/नील-बाल-पाइन्ट-लेखन्याः** प्रयोगः अनुमतः।
5. अस्याः भाषा-पुस्तिकायाः संकेतकं **M** वर्तते। एतच्च निश्चेतव्यं यदस्याः भाषा-परिशिष्ट-पुस्तिकायाः संकेतकम् उत्तर-पत्रस्य **पृष्ठ-2** उपरि प्रकाशितेन संकेतेन साम्यं भजति। एतदपि निश्चेतव्यं यत् मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकासंख्या उत्तर-पत्रसंख्या च परस्परं साम्यं भजेते। यदि चात्र किमपि अन्तरमस्ति तदा छात्रेण निरीक्षकमहाभागः सम्प्रार्थनीयः यत्स द्वितीयां भाषा-परिशिष्ट-परीक्षा-पुस्तिकां ददातु।
6. अस्यां परीक्षा-पुस्तिकायां **द्वौ** भागौ स्तः — IV तथा V, एतेषु 60 वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः सन्ति, प्रत्येकं च एकमङ्कं धारयति—

   भागः IV : भाषा I (संस्कृतम्) (प्रश्न संख्या 91 तः 120 पर्यन्तम्)

   भागः V : भाषा II (संस्कृतम्) (प्रश्न संख्या 121 तः 150 पर्यन्तम्)
7. IV भाषा I भागे 30 प्रश्नाः, V भाषा II भागे च 30 प्रश्नाः सन्ति। अस्यां च परीक्षा-पुस्तिकायां केवलं संस्कृतभाषासम्बद्धाः प्रश्नाः सन्ति। **यदि भाषा I उत वा भाषा II इत्येतयोः भवता संस्कृत-अतिरिक्ते भाषे चिते, तदा तद्भाषासम्बद्धा परीक्षा-पुस्तिका याचनीया। यस्याः अपि भाषायाः प्रश्नानाम् उत्तराणि भवता प्रदीयन्ते, सा भाषा नूनम् आवेदनपत्रे अभीष्टभाषाभिः सह संवदेत्।**
8. **परीक्षार्थिभिः भागः V (भाषा II) कृते, भाषातालिकातः सा भाषा चयनीया या तैः भाषा I (भागे IV) चितायाः अभीष्टभाषातः भिन्ना स्यात्।**
9. रफ कार्यं परीक्षा-पुस्तिकायां निर्धारितस्थाने एव कार्यम्।
10. सर्वाणि उत्तराणि OMR उत्तर-पत्रिकायामेव अङ्कनीयानि। सावधानमनसा चैतद् अङ्कनीयम्। उत्तरे परिवर्तनार्थं श्वेत-रञ्जकस्य प्रयोगो निषिद्धः।

परीक्षार्थिनः नाम : ____________________

अनुक्रमाङ्कः (अङ्केषु) : ____________________

(शब्देषु) : ____________________

परीक्षाकेन्द्रम् : ____________________

परीक्षार्थिनः हस्ताक्षरम् : ____________________ निरीक्षकस्य हस्ताक्षरम् : ____________________

Facsimile signature stamp of
Centre Superintendent ____________________

अभ्यर्थिनः **चतुर्थभागस्य** (**Part–IV**) प्रश्नानाम् (प्र० सं० **91–120**) उत्तराणि दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं प्रथमभाषा** (**Language—I**)-रूपेण चितम्।

Candidates should attempt the questions from **Part–IV (Q. Nos. 91–120)**, if they have opted **SANSKRIT** as **Language—I** only.

PART—IV / भागः —IV

LANGUAGE—I / भाषा—I
Sanskrit / संस्कृतम्

अभ्यर्थिनः **चतुर्थभागस्य** (Part–IV) प्रश्नानाम् (प्र० सं० **91–120**) उत्तराणि दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं प्रथमभाषा** (Language—I)-रूपेण चितम्।

91. भवान् स्वकक्षायां छात्राणां सर्वाधिकां भागग्राहितां इच्छति। अनेन प्रयोजनेन भवान् निम्नलिखितेषु कां विधिं प्रयोक्तुम् इच्छति?

(1) सस्वरपठनम् (Recitation)
(2) चर्चा-परिचर्चाम् (Discussion)
(3) प्रदर्शनम् (Demonstration)
(4) आदर्शपठनम्

92. कश्चित् श्रोता विशिष्टविवरणं शृणोति, ज्ञानसाधनानि (cognates) अभिजानाति तथा शब्दक्रमव्यवस्थां अभिजानाति। एषा श्रवणप्रक्रिया किं कथ्यते?

(1) रेखीयप्रक्रिया
(2) अधःऊर्ध्वं प्रक्रिया
(3) ऊर्ध्व-अधःप्रक्रिया
(4) निष्कर्षणात्मिकां प्रक्रिया

93. पठनक्रियायां, लधुकथाप्रसङ्गे, निम्नलिखितं किमस्ति?

(1) अध्यापकः नवीनशब्दानां अर्थान् पृच्छति तथा तेषु वाक्यानि निर्मातुं प्रेरयति
(2) छात्राः कथायां भावि-घटनानां सम्भावनां चर्चयन्ति
(3) छात्राः युगलकार्यं कुर्वन्ति तथा परस्परं पठन्ति
(4) छात्राः कवेः जीवनवृत्तात्मकविवरणं चर्चयन्ति

94. कक्षायां भवान् कमपि प्रश्नं न पृच्छति। विकल्परूपेण भवान् तान् कानिचित् लघुपाठ्यानि ददाति तथा छात्रान् प्रश्नान् निर्मातुं कथयति। भवतां कार्यस्य उद्देश्यं अस्ति—

(1) स्वछात्राणां विश्लेषणात्मकं तर्कात्मकं च चिन्तनं वर्धयितुम् इच्छति
(2) स्वछात्रान् उत्कृष्टान् प्रश्नपत्रनिर्मातॄन् कर्तुम् इच्छति
(3) स्वप्रश्नपत्रनिर्माणकार्ये भवान् तेषां सहायतां ग्रहीतुम् इच्छति
(4) भवान् छात्रान् अनुभूतिं कारयितुम् इच्छति यत् प्रश्नपत्रनिर्माणस्य कार्यं कीदृशं कठिनम् अस्ति

95. भाषाशिक्षणस्य मूल्यांकने निम्नलिखितं परिमीयते—

(1) छात्राणां भाषा-क्षमता
(2) छात्राः तेषां सहपाठिनां तुलनायां काम् उपलब्धिं कृतवन्तः
(3) तेषां समग्रा अथवा समेकिता उपलब्धिः
(4) छात्राणां भाषा-उपलब्धिः

96. पाठन-सहायकायाः सामग्र्याः उद्देश्यम् अस्ति—

(1) कक्षायां छात्राणां ध्यानाकर्षणं कर्तुम्
(2) छात्रान् शिक्षणकार्ये संलग्नान् कर्तुम्
(3) छात्राणां शिक्षणपरिणामम् आशाजनकं कर्तुम्
(4) कक्षायां अनुशासनहीनतायाः घटनाः न्यूनीकर्तुम्

97. भवतां एकः छात्रः लोकप्रियं पुस्तकं गृह्णाति तथा चित्राणि संकेतरूपेण प्रयोज्य कथां पुनः श्रावयति। अनेन दृढतया प्रस्तूयते—

(1) वर्णनात्मकः अवबोधः
(2) उदीयमाना पठन-अवस्था
(3) ध्वन्यात्मकः अवबोधः
(4) अर्थविज्ञानात्मकः अवबोधः

निर्देशः —निम्नलिखितं गद्यांशं पठित्वा नवप्रश्नानाम् (**98–106**) उत्तराणि यथोचितं विकल्पं चित्वा देयानि।

अस्ति एकं निर्जनं वनम्। एकदा कश्चित् व्याधः वनम् आगच्छति। सः तण्डुलकणान् भूतले विकिरति। तत्र सः जालं प्रसारयति। स्वयं दूरं गत्वा प्रच्छन्नः तिष्ठति।

चित्रग्रीवः नाम कपोतराजः कपोतैः सह आकाशे उत्पतति। कपोताः भूमौ तण्डुलकणान् पश्यन्ति। ते तण्डुलकणान् अभिलषन्ति।

चित्रग्रीवः वदति—अत्र निर्जने वने कुतः तण्डुलकणाः? किंचित् अनिष्टं पश्यामि अहम्।

एकः कपोतः वदति—किम् अनिष्टम् अत्र? यदि सर्वत्र शङ्कां करिष्यामः तर्हि अस्माकं जीवनम् अपि कठिनं भविष्यति। अतः वयं भूमौ अवतरामः।

सर्वे कपोताः तण्डुलार्थं गगनात् अवतरन्ति। ततः जाले बद्धाः ते दुःखिताः भवन्ति।

चित्रग्रीवः वदति—न भेतव्यम्। वयम् उपायं चिन्तयामः। वयं समकालम् एव जालेन सह उत्पतामः।

कपोताः जालेन सह गगनम् उत्पतन्ति। चकितः व्याधः दूरात् तद् दृश्यं पश्यति। खिन्नः सः गृहं गच्छति।

चित्रग्रीवः पुनः वदति—चित्रवने हिरण्यकः नाम मूषकराजः निवसति। वयं तस्य समीपं गच्छामः। सः अस्माकं पाशानां छेदनं करिष्यति।

सर्वे कपोताः हिरण्यकस्य बिलस्य समीपम् आगच्छन्ति। हिरण्यकः स्वमित्रं दृष्ट्वा प्रसन्नः भवति किन्तु तस्य बन्धनं दृष्ट्वा दुःखी भवति। सः शीघ्रं स्वमित्रस्य बन्धनस्य छेदनाय तत्परः भवति।

चित्रग्रीवः हिरण्यकं निवारयति वदति च—भोः वयस्य, प्रथमं सर्वेषां पाशानां छेदनं कुरु, अनन्तरं मम।

98. भूतले तण्डुलकणान् कः विकिरति?

(1) ग्रामीणः
(2) मुनिः
(3) व्याधः
(4) चित्रग्रीवः

99. कपोतैः सह आकाशे कः उत्पतति?

(1) वायसाः
(2) व्याधः
(3) सर्वे पक्षिणः
(4) कपोतराजः चित्रग्रीवः

100. चित्रग्रीवः किं दृष्ट्वा अनिष्टं अपश्यत्?

(1) वायसानां क्रोशनम्
(2) व्याधम्
(3) उड्डीयमानान् विहगान्
(4) निर्जनवने तण्डुलकणान्

101. ''यदि सर्वत्र शङ्कां करिष्यामः तर्हि अस्माकं जीवनम् अपि कठिनं भविष्यति।''

कथनमिदं कस्य विद्यते?

(1) शृगालस्य
(2) कपोतानां मध्ये एकस्य कपोतस्य
(3) कपोतराजस्य
(4) वायसस्य

102. गद्यांशे प्रयुक्तस्य 'अभिलषन्ति' इत्यस्मिन् अर्थे निम्नलिखितेषु कः शब्दः प्रयोक्तुं शक्यते?

(1) त्यजन्ति
(2) पश्यन्ति
(3) इच्छन्ति
(4) शृङ्गारं कुर्वन्ति

103. 'अनिष्ट'-शब्दस्य निम्नलिखितेषु कः पर्यायवाची?

(1) सङ्कटम्
(2) विषादः
(3) आशङ्का
(4) भयम्

104. 'प्रच्छन्नः'-पदस्य निर्वचनं क्रियताम्—

(1) प्र + छिद् + क्त प्रत्यय
(2) प्र + छन् + नः
(3) प्र + छत् + क्तः
(4) प्र + छद् + क्तः

105. 'अवतरन्ति' इत्यस्मिन् पदे कः धातुः?

(1) तिर्
(2) तृ
(3) तॄ
(4) तर्

106. 'छेदनम्' इत्यस्य पदस्य निर्वचनं दीयताम्—

(1) छद् + ल्युट्
(2) छेद् + ल्युट्
(3) छिद् + अन्
(4) छिद् + ल्युट्

निर्देशः—निम्नलिखितानि पद्यानि पठित्वा षट्प्रश्नानां (**107–112**) उत्तराणि समुचितं विकल्पं चित्वा देयानि।

न चौरहार्यं न च राजहार्यं
न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि।
व्यये कृते वर्धत एव नित्यं
विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्॥1॥

विद्या ददाति विनयं विनयाद्याति पात्रताम्।
पात्रत्वाद्धनमाप्नोति धनाद्धर्मं ततस्सुखम्॥2॥

अपूर्वः कोऽपि कोशोऽयं विद्यते तव भारति।
व्ययतो वृद्धिमायाति क्षयमायाति सञ्चयात्॥3॥

विद्वत्वं च नृपत्वं च नैव तुल्यं कदाचन।
स्वदेशे पूज्यते राजा विद्वान् सर्वत्र पूज्यते॥4॥

किं कुलेन विशालेन विद्याहीनस्य देहिनः।
अकुलीनोऽपि विद्यावान्देवैरपि स पूज्यते॥5॥

107. ''व्यये कृते वर्धत एव नित्यम्''
अस्य कथनस्य प्रसङ्गे किम् उपयुक्तम्?

(1) समयः
(2) स्वर्णम्
(3) रजतम्
(4) विद्या

108. सर्वत्र कः पूज्यते?

(1) अघवान्
(2) विद्वान्
(3) बलवान्
(4) धनवान्

109. ''किं कुलेन विशालेन विद्याहीनस्य देहिनः''
अस्य सिद्धान्तस्य किं सारवाक्यम्?

(1) विद्यारहिते विशालकुले दुर्व्यसनानि जायन्ते
(2) विद्याविहीनं विशालकुलं निरर्थकम्
(3) विद्याविहीने विशालकुले कलहाः भवन्ति
(4) विद्याविहीनं विशालकुलं नाशं गच्छति

110. 'देहिनः'-पदस्य कोऽर्थः?

(1) स्थूलकायस्य
(2) बलिष्ठदेहयुक्तस्य
(3) परमात्मनः
(4) जीवात्मनः

111. ''स्वदेशे पूज्यते राजा'' अत्र किं वाच्यम् अस्ति?

(1) भावकर्मवाच्यम्
(2) कर्तृवाच्यम्
(3) कर्मवाच्यम्
(4) भाववाच्यम्

112. 'आयाति' इत्यस्मिन् पदे को धातुः कस्य गणस्य च वर्तते?

(1) अय् धातु भ्वादिगणस्य
(2) इ धातु भ्वादिगणः
(3) या धातु भ्वादिगणः
(4) या धातु अदादिगणस्य

113. भाषा-शिक्षणस्य विषये निम्नलिखितेषु किं सत्यम् अस्ति?

(1) भाषा-शिक्षणं चेष्टां विना (unconsciously) भवति
(2) भाषा-शिक्षणं भाषा-पाठ्यपुस्तकानां पठनेन भवति
(3) भाषा-शिक्षणं मुद्रण-समृद्धपरिवेषे वर्धते
(4) विज्ञानस्य गणितस्य च शिक्षणे भाषा शिक्षणस्य आवश्यकता न विद्यते

114. रोदनम्, कूजनं तथा अस्पष्टभाषणम् एते सर्वे भाषाविकासस्य अवस्थाः सन्ति—

(1) प्रकरणात्मकम् (Referential)
(2) भाषिकम्
(3) प्राक्-भाषिकम्
(4) अभिव्यञ्जकम् (Expressive)

115. गार्विटः कक्षायां सहपाठिभिः सह हिन्दीभाषायां भाषते स्म। यदा तस्य अध्यापकः तम् आकारयत्, स तत्कालमेष आंग्लभाषायाम् उत्तरं दत्तवान्। एतत् कस्य उदाहरणम् अस्ति?

(1) कूट-परिवर्तनस्य (Code-switching)
(2) कूट-मिश्रणस्य (Code mixing)
(3) उपभाषायाः (Dialects)
(4) समाज-भाषाविज्ञानस्य (Socio-linguistics)

116. निम्नलिखितेषु कतमः वाइगोत्स्की (Vygotsky's) इत्यस्य समाज-सांस्कृतिकसिद्धान्तेन सम्बद्धः नास्ति?

(1) भाषा-अधिग्रहण-साधनम् (Language acquisition device)
(2) सामाजिक-अन्तःसम्पर्कः
(3) सोपान-निर्माणम् (Scaffolding)
(4) सामीप्यविकासस्य क्षेत्रम् (Zone of proximal development)

117. प्रत्येकं पाठ्यक्रमः शिक्षणपरिणामस्य विषये चर्चां करोति। अस्य आशयोऽस्ति—

(1) अध्यापकस्य अध्यापनविधौ परिवर्तनम्
(2) पाठ्यपुस्तकस्य विषयवस्तुनः विचारः
(3) छात्राणां व्यवहारे परिवर्तनम्
(4) सर्वेषां पाठानां समाप्तिः

118. भवतां दूरभाषे एकस्य दूरभाषस्य अङ्कानां अवलोकनं किं कथ्यते?

(1) विहंगावलोकनम् (Skimming)
(2) क्रमवीक्षणम् (Scanning)
(3) सर्वेक्षणम् (Survey)
(4) पुनर्वीक्षणम् (Review)

119. प्रकरणानुसारं नवीनशब्दानां परिभाषणं नवीनशब्दानाम् अर्थबोधस्य तुलनायाम्—

(1) समयस्य व्ययं करोति
(2) प्रायः छात्रान् भ्रमितान् करोति
(3) शब्दस्य सुष्ठु अर्थावबोधने सहायतां करोति
(4) रटनेन कण्ठस्थीकरणं प्रोत्साहयति

120. लेखनस्य प्रकारः यस्मिन् लेखकः आत्मानं पात्रस्य भूमिकायां स्थापयति (यदा-कदा न अपि) तथा कथां कथयति, ज्ञायते—

(1) वृत्तान्तात्मकम् (Narrative)
(2) विवरणात्मकम्
(3) प्रोत्साहकम्
(4) वर्णनात्मकम्

अभ्यर्थिनः **पञ्चमभागस्य** (**Part–V**) प्रश्नानाम् (प्र० सं० **121–150**) उत्तराणि दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं द्वितीयभाषा** (**Language—II**)-रूपेण चितम्।

Candidates should attempt the questions from **Part–V (Q. Nos. 121–150)**, if they have opted **SANSKRIT** as **Language—II** only.

PART—V / भागः —V

LANGUAGE—II / भाषा—II
Sanskrit / संस्कृतम्

अभ्यर्थिनः **पञ्चमभागस्य** (Part–V) प्रश्नानाम् (प्र० सं० **121–150**) उत्तराणि दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं द्वितीयभाषा** (Language—II)-रूपेण चितम्।

121. उपन्यासपठनं निम्नलिखितस्य उदाहरणम् अस्ति—

(1) विहंगावलोकनस्य (Skimming)
(2) विस्तृतपठनस्य
(3) गहनपठनस्य
(4) क्रमवीक्षणस्य

122. निबन्धे उद्धरणप्रदानस्य मुख्य-उद्देश्यं किम् अस्ति?

(1) विशेषतथ्यानां विश्लेषणम्
(2) निबन्धस्य तानसामञ्जस्यं स्थापयितुम्
(3) जटिलविषयं व्याख्यातुम्
(4) अपरस्य दृष्टिकोणं प्रस्तौतुम्

123. कश्चिद् अध्यापकः अष्टमीकक्षायाः छात्रान् एकं लेखं ददाति यं सः तेषां स्तरात् उच्चतरं मन्यते। अनेकानि कार्याणि कर्तुं छात्रैः पाठ्येन सह कार्यं कर्तुम् इष्यते। एतत् किं कथ्यते?

(1) बोधगम्याः निवेशाः
(2) प्रस्तावित-शिक्षणपरिकल्पना
(3) अबोधगम्या निवेशाः
(4) अर्थावबोधाय पठनम्

124. व्याकरणस्य अध्यापनं मुख्यरूपेण निम्नलिखितं प्रोन्नेतुम् अस्ति—

(1) सांख्यिकीम्
(2) प्रवाहम्
(3) शुद्धताम्
(4) साक्षरताम्

125. व्याकरण-अध्यापनस्य मुख्यम् उद्देश्यं छात्रान् वार्तालापार्थं योग्यान् कर्तुम् अस्ति। निम्नलिखितेषु किम् एतद् उद्देश्यं न पूरयति?

(1) अशुद्धिशोधनं सदैव अध्यापकस्य प्रथमं दायित्वं नास्ति
(2) व्याकरणस्य प्रत्येकं विषयं छात्राः साधिकारं जानीयुः
(3) छात्राः स्पष्टाः निर्देशाः दातव्याः ये छात्रान् भूयस्तरैः सम्प्रेषणप्रकरणैः योजयेयुः
(4) छात्राः केवलं तान् पक्षान् जानीयुः ये सम्प्रेषण-कार्येण सम्बद्धाः सन्ति

126. पठने अर्थसंकेताः सहायकाः सन्ति—

(1) येन व्याकरणिक-रूपस्य अभिज्ञानं भवति
(2) येन शब्दस्य निष्कूटीकरणम् (decoding) भवति
(3) येन शब्दस्य शुद्धोच्चारणं भवति
(4) ये अर्थनिष्कर्षणप्रक्रियां वर्धापयन्ति

127. भाषायाः अध्ययन-अध्यापनस्य कः उपागमः एतद् विश्वसिति यत् भाषा निर्मितस्वभावः (habit) अस्ति?

(1) श्रवण-बहुभाषीयता
(2) सम्प्रेषणात्मक-भाषाशिक्षणम्
(3) सहकारि-भाषाशिक्षणम्
(4) प्राकृतिक-उपागमः

निर्देशः —निम्नलिखितं गद्यांशं पठित्वा अष्टप्रश्ननानाम् (**128–135**) उत्तराणि यथोचितं विकल्पं चित्वा देयानि।

आसीत् पुरा माधवो नाम कश्चिद् गोपालकः। तस्य गृहे नन्दिनी नामैका गौः आसीत्। तस्याः दुग्धं विक्रीय सः सुखेन जीवनं यापयति स्म। एकदा तस्य भागिनेयः तत्रागत्य सूचितवान्—मातुल! ''प्रतिवेशिनः श्रेष्ठिनः गृहे मासानन्तरम् एकः यज्ञः संपत्स्यते। तस्मिन् उत्सवे पञ्चाशत् किलोमितस्य क्षीरस्य आवश्यकता भविष्यति।'' इदमाकर्ण्य माधवः अचिन्तयत्—''पञ्चाशत् किलोमितं पयः; अस्तु दास्यामि। एतावन्मात्रं पयः विक्रीय बहुधनं प्राप्स्ये, येन एकस्य भवनस्य निर्माणं करिष्यामि''।

अथ प्रसन्नः माधवः स्वधेनुम् अहर्निशं सेवते। सः तस्याः रज्जुं धृत्वा तस्यै तृप्तिपर्यन्तं प्रभूतं घासादिकं ददाति, जलं पाययति, विषाणयोः तैलं करोति। प्रातः सायं च तां तिलकं करोति। यदा-कदा गुडादिकमपि भोजयति। स सर्वदा चिन्तयामास ''एकवारं ग्रहीष्यामि पयोऽस्या प्राज्यमुत्सवे''।

इत्थं सेवानिरतस्य तस्य एकः मासः व्यतीतः। अस्मिन्नन्तरे तस्य भार्या मालती पितृगृहात् प्रत्यावर्तत। माधवः तां तत्सर्वं विस्तरेण अकथयत्। तौ सत्वरं कुम्भकारस्य गृहाद् घटदशकं क्रीतवन्तौ। तदैव प्रतिवेशी दुग्धाय तम् आकारयत्। माधवस्तु सपदि पञ्चोपचारैः गाम् अपूजयत्। पात्रहस्तः दोहनाय गोः समीपम् अगच्छत्। मासैकपर्यन्तं दुग्धस्य अदोहनात् दुग्धहीना सा माधवहस्ते पात्रं दृष्ट्वैव अकूर्दत्। माधवः पौनःपुन्येन प्रार्थयति—''नन्दिनि! कथं मां व्याकुलयसि? पञ्चाशत् किलोमितं क्षीरं सत्वरं यच्छ''।

पौनःपुन्येन दोग्धुं प्रयतमानं माधवं सा पृष्ठपादाभ्यां ताडयित्वा रक्तरञ्जितमकरोत्। तं तादृशावस्थायां वीक्ष्य मालती मूर्च्छिता जाता। बहुभिः उपचारैः तस्याः मूर्च्छां दूरीकृत्य माधवः ताम् अकथयत् मासान्तेऽहं धनी भविष्यामि इति चिन्तयित्वैव मासपर्यन्तं मया धेनुरेव न दुग्धा। अस्मात् कारणादियं दुग्धहीनाऽभवत्। देवि! भविष्यचिन्तायां तु मया स्वकीयं वर्तमानमपि विनाशितम्। एभिः रक्तबिन्दुभिः मम चक्षुरुन्मीलितं यत् लघ्वपि कार्यं अविचार्य न कर्तव्यम्। उक्तं हि—

सुविचार्य विधातव्यं कार्यं कल्याणकांक्षिणा।
यः करोत्यविचार्यैतत् स विषीदति मानवः॥

128. माधवः सुखेन जीवनं कथं यापयति स्म?

(1) पत्न्या सह मनोविनोदं कृत्वा
(2) गोः सेवां कृत्वा
(3) गोः दुग्धं विक्रीय
(4) अन्य गोपालकानां साहचर्य्ये

129. पञ्चाशत् किलोमितस्य दुग्धस्य आवश्यकता कस्य गृहे आसीत्?

(1) कृषकस्य
(2) श्रेष्ठिनः
(3) भागिनेयस्य
(4) ग्रामस्य देवालये

130. दुग्धं विक्रीय बहुधनेन माधवः किं कर्तुं अचिन्तयत्?

(1) दुग्धस्य व्यापारं कर्तुम्
(2) अपरां गां क्रेतुम्
(3) दुग्धस्य उत्पादनं वर्धयितुम्
(4) भवनस्य निर्माणं कर्तुम्

131. एकमासानन्तरं नन्दिनी दुग्धहीना कथम् अभवत्?

(1) माधवः गां ताडयति स्म
(2) मासपर्यन्तं धेनुर्न दुग्धा
(3) नन्दिनी सेवायाः अभावे दुर्बला संजाता
(4) गोः दुग्धस्य दोहनकालः पूर्णोऽभवत्

132. 'भागिनेय'-शब्दस्य कोऽर्थः?

(1) पितुः भगिन्याः पुत्रः
(2) भगिन्याः पुत्रः
(3) भगिन्याः पौत्रः
(4) भगिन्याः पुत्री

133. ''स समीपे वसति'' इत्यस्मिन्नर्थे गद्यांशे कः शब्दः प्रयुक्तः?

(1) प्रतिवेशी (2) पाययति

(3) विषाणी (4) कुम्भकारः

134. निम्नलिखितेषु प्रेरणार्थकं क्रियारूपं किम् अस्ति?

(1) पाययति (2) अचिन्तयत्

(3) दास्यामि (4) प्रत्यावर्तत

135. 'सेवानिरतः' इत्यस्मिन् पदे विग्रहपूर्वकं समासं कथम्?

(1) सेवायाः निर्गतः —पञ्चमी तत्पुरुषः (2) सेवायै निरतम्—चतुर्थी तत्पुरुषः

(3) सेवायां निरतः —षष्ठी-तत्पुरुषः (4) सेवायां निरतः य सः सेवानिरतः —बहुव्रीहिः

निर्देशः —निम्नलिखितं गद्यांशं पठित्वा सप्तप्रश्नानाम् (**136–142**) उत्तराणि यथोचितं विकल्पं चित्वा देयानि।

पार्वती शिवं पतिरूपेण प्राप्तुं तपस्याम् अकरोत्। सा पितृगृहं परित्यज्य कानने अवसत्। कानने हिंस्राः पशवः चरन्ति स्म। तथापि पार्वती निर्भया आसीत्। निर्भयं जनम् ईश्वरः स्वयमेव रक्षति।

पार्वत्याः कोमलतनुं दृष्ट्वा जननी आदिशत्—वत्से! क्व कठिनं तपः क्व च तव कोमलं शरीरम्? कथम् आतपात् शीतात् वा आत्मानं रक्षिष्यसि? तर्हि तपः मा चर। सुखेन स्वगृहे एव वस। अत्रैव व्रतादिकं कुरु। एतेनैव तव मनोरथः पूर्तिम् एष्यति।

परन्तु पार्वती अकथयत्— अम्ब! तपस्यामेव करिष्यामि। ईश्वरः मम रक्षां करिष्यति। तपस्यार्थं कोऽपि न गृहे वसेत्। एवमुक्त्वा सा वनमगच्छत् तपस्यां च समाचरत्।

कतिचित् मासाः गताः। एकदा कश्चिद् वटुः तपोवनं प्राविशत्। वटुं दृष्ट्वा पार्वती आसनात् उत्थाय तमुपगम्य सादरम् अकथयत्—वटो, स्वागतं ते। उपविशतु भवान्।

वटुः कुशलं पृष्ट्वा कौतूहलेन अपृच्छत्—हे तपस्विनि! किमर्थं कठिनं तपः समाचरसि? स्वकीयां तनुं च मलिनां करोषि? पार्वती न किञ्चिदवदत्। तत्सखी एव तस्याः तपसः प्रयोजनं वटवे न्यवेदयत्।

तत् श्रुत्वा वटुः अपृच्छत्—अयि पार्वति! किं सत्यमेव त्वं शिवं पतिमिच्छसि यो हि अशिवं चरति, श्मशाने वसति? यस्य त्रीणि नेत्राणि, यस्य वसनं गजचर्म, यस्य अङ्गरागः चिताभस्म, यस्य परिजनाश्च भूतगणाः, किं तमेव शिवं पतिं कर्तुम् इच्छसि?

शिवनिन्दां श्रुत्वा पार्वती क्रुद्धा जाता। सा अवदत् अपसर अरे वाचाल! त्वं महेश्वरस्य परमार्थस्वरूपमेव न जानासि। तत् नोचितं त्वया सह सम्भाषणम्।

एवमुक्त्वा यदा सा प्रस्थानाय उद्यता, तावदेव शिवः वटोः रूपं परित्यज्य तस्याः मार्गम् अवरुध्य अवदत्—''पार्वति! प्रीतोऽस्मि तव तपोभिः'' इति।

136. पार्वती किमर्थं तपस्याम् अकरोत्?

(1) पार्वती आत्मसुखाय तपस्याम् अकरोत्

(2) पार्वती पितुः आदेशात् तपस्याम् अकरोत्

(3) पार्वती मातुः आदेशात् तपस्याम् अकरोत्

(4) पार्वती शिवं पतिरूपेण प्राप्तुं तपस्याम् अकरोत्

137. ईश्वरः कं स्वयमेव रक्षति?

(1) निर्भयम् (2) शरणागतम्

(3) श्रद्धावन्तम् (4) स्तुतिपरकम्

138. ''तर्हि तपः मा चर'' एतानि वचनानि कस्य सन्ति?

(1) देवतानाम् (2) पार्वत्याः मातुः

(3) पार्वत्याः पितुः (4) वटोः

139. पार्वती आसनाद् उत्थाय कस्य स्वागतम् अकरोत्?

(1) इन्द्रस्य (2) पितुः

(3) देवतानाम् (4) वटोः

140. पार्वती किमर्थं क्रुद्धा अभवत्?

(1) वटुना मार्गावरोधात् (2) शिवनिन्दां श्रुत्वा

(3) मातुः परामर्शात् (4) वने पशूनां कोलाहलेन

141. 'एष्यति' इत्यस्य पदस्य निर्वचनं क्रियताम्—

(1) इ + लृट्लकारः प्रथमपुरुषः एकवचनम् (2) इष् + लृट्लकारः प्रथमपुरुषः एकवचनम्

(3) एष् + लट् + प्रथमपुरुषः एकवचनम् (4) एष्य् + लृट् + मध्यमपुरुषः द्विवचनम्

142. 'क्रुद्धा' इत्यस्मिन् पदे प्रकृति-प्रत्ययपूर्वकं निर्वचनं कुरुत—

(1) क्रुश् + ध + आट् (2) क्रुध् + ध + टाप्

(3) क्रुध् + क्त + टाप् (4) क्रुद्ध् + शप् + अ

143. लेखनस्य विभिन्न-अवस्थासु गच्छद्भिः लेखन-शिक्षणं किम् अस्ति?

(1) रचनात्मकलेखनम् (2) लेखनसन्दर्भे प्रक्रिया-उपागमः

(3) लेखनसन्दर्भे उत्पादन-उपागमः (4) विश्लेषणात्मकलेखनम्

144. छात्राणां सम्प्रेषणात्मककौशलस्य मूल्याङ्कनाय सर्वोपयुक्तप्रक्रिया काऽस्ति?

(1) दत्तपरिस्थितौ भाषणलेखनम् (2) चित्रात्मकपुस्तकात् कस्यापि दृश्यस्य वर्णनम्

(3) अभिनयकार्यक्रमे अभिनेतृरूपेण भागग्रहणम् (4) श्रवणपाठ्यस्य श्रवणं तथा मौखिकी प्रतिक्रिया

145. 'चौम्स्की' इत्यस्य मतानुसारं मानवाः भाषाविकासाय ______ धारयन्ति।

(1) दूरसम्प्रेषणतत्परता
(2) शिक्षणतन्त्रं
(3) शारीरिकप्रवृत्तिं
(4) वीक्षणतन्त्रं

146. विद्यालयीयायां शिक्षायां प्रारम्भतः एव बहुभाषीय-उपागमः निम्नलिखितानां दुष्परिणामान् निवारणे सहायकः अस्ति—

(1) दुर्बलसम्प्रेषणकौशलस्य
(2) विद्यालयात् निर्गमनस्य (Dropouts)
(3) शिक्षण-वैकल्यानां
(4) आत्मभाषायाः हानेः

147. नवसत्रस्य प्रारम्भात् पूर्वं भवान् छात्रान् मनोरञ्जक-शक्तिवर्धकक्रियायां नियोजयति। भवान् एतद् निम्नलिखितप्रयोजनात् करोति—

(1) छात्राणां ध्यानपरिवर्तनं कर्तुम्
(2) छात्रान् कक्षार्थं सज्जीकर्तुं प्रेरयितुम्
(3) अध्यापकरूपेण स्वकार्यभारं न्यूनं कर्तुम्
(4) पाठ-प्रारम्भात् पूर्वं कक्षायाम् अनुशासनं रक्षितुम्

148. शिक्षणसिद्धान्तस्य रूपे निर्माणात्मकः सिद्धान्तः विश्वसिति—

(1) शिक्षणं समाजे निर्मीयते
(2) शिक्षणं व्यक्तिगतविशेषता भवति
(3) सर्वे छात्रा भाषाः शिक्षितुं न समर्थाः
(4) शिक्षणं पूर्णतः मनोवैज्ञानिकस्थितिः अस्ति

149. यदा-कदा लोकाः एकस्मिन् एव वाक्ये विभिन्नभाषाणां तत्त्वानि मिश्रयन्ति। एतद् उदाहरणम् अस्ति—

(1) उपभाषायाः
(2) कूटपरिवर्तनस्य
(3) कूटमिश्रणस्य
(4) समाज-भाषाविज्ञानस्य (Socio-linguistics)

150. भाषायाः उच्चारणस्य विशेषनियमानां कारणात् छात्राः विश्वासस्य न्यूनतां अनुभवन्ति। एनां समस्यां समाधातुं एकः उपायः अस्ति—

(1) याः छात्राणां अशुद्धयः भवन्ति तासां शोधनम्
(2) छात्रान् कक्षायां पठितुं प्रोत्साहयितुम्
(3) परामर्शकेन सह विशेषभाषा-उपचारं कर्तुम्
(4) क्रीडा-सदृशीक्रियाणां प्रयोगः यः कक्षायां मौखिक-अन्तःसम्पर्कम् अपेक्षते

SPACE FOR ROUGH WORK

★ ★ ★

अवधानपूर्वकम् एते निर्देशाः मनसि धारणीया—

1. विभिन्नप्रश्नानाम् उत्तरं कथं प्रदेयमिति प्रश्नपत्रे व्याख्यातम् अस्ति। प्रश्नानाम् उत्तरलेखनात् पूर्वं तत् अवश्यं पठनीयम्।
2. प्रत्येकं प्रश्नार्थं चत्वारि वैकल्पिकोत्तराणि निर्दिष्टानि, तेषु समुचितोत्तरप्रदानार्थं ओ० एम० आर० (OMR) उत्तर-पत्रिकायाः पृष्ठे-2 **केवलम् एकमेव वृत्तं पूर्णरूपेण कृष्ण/नील-बाल-पाइन्ट-लेखन्याः** प्रपूरणीयम्। एकवारम् उत्तराङ्कनान्तरं न तत्परिवर्तयितुं शक्यते।
3. परीक्षार्थिभिः उत्तर-पत्रं नैव तिर्यक्करणीयम्, न च कथंकारमपि तद् अन्यथाप्रकारेण अङ्कनीयम्। परीक्षार्थी स्वीयानुक्रमाङ्कम् उत्तर-पत्रे निर्धारितस्थानातिरिक्तम् अन्यत्र कुत्रापि न लिखेत्।
4. परीक्षा-पुस्तिकायाः उत्तर-पत्रस्य च प्रयोगः सावधानं करणीयः। कस्यामपि परिस्थितौ (केवलं तां परिस्थितिं विहाय यदा परीक्षा-पुस्तिकायाः उत्तर-पत्रस्य च सङ्केतके सङ्ख्यायां वा भिन्नता दृश्यते) द्वितीय-परीक्षा-पुस्तिका नोपलभ्या एव।
5. परीक्षा-पुस्तिकायाम् उत्तर-पत्रे च प्रदत्त-सङ्केतक-सङ्ख्या परीक्षार्थिभिः उपस्थितिपत्रके सम्यक्रीत्या अवश्यमेव लेखनीया।
6. ओ० एम० आर० (OMR) उत्तर-पत्रिकायां कूटस्थ (Coded) सूचनानां पठनं यन्त्रद्वारा भविष्यति। अतः कापि सूचना असम्पूर्णा न स्यात्। तथैव प्रवेशपत्रस्य सूचनातः भिन्ना सूचना न प्रदेया।
7. प्रवेशपत्रं विहाय अन्य-मुद्रित-लिखित-पाठ्यसामग्री कर्गदचिटिकां 'पेजरम्' इति चलदूरभाषां, विद्युत्-उपकरणानि अथवा कामपि अन्यसामग्रीं परीक्षाभवनं कक्षं वा नेतुम् अनुमतिः न अस्ति।
8. परीक्षा गृहे/प्रकोष्ठे मोबाइलयन्त्रं वेतारसूचनायन्त्रं (स्वीच आफ कृत्वा अपि) अन्यानि च प्रतिबन्धितवस्तूनि नैव आनेतव्यानि। एतस्य नियमस्य उल्लङ्घनम् अनुचितमार्गावलम्बनम् इति विधास्यते यस्य कृते दण्डस्य विधानम् अस्ति। परीक्षातः निष्कासनम् अपि भवितुम् अर्हति।
9. निरीक्षणसमये परीक्षार्थिभिः प्रवेशपत्रं निरीक्षकाय अवश्यं दर्शनीयम्।
10. केन्द्र अधीक्षकस्य निरीक्षकस्य वा अनुमतिं विना परीक्षार्थिभिः स्थानं न परित्यक्तव्यम्।
11. कार्यरतनिरीक्षकाय उत्तर-पत्रं दत्त्वा उपस्थितिपत्रके च हस्ताक्षरं पुनः कृत्वा एव परीक्षार्थिभिः परीक्षाभवन-कक्षं वा परित्यक्तव्यं न अन्यथा। यदि केनापि परीक्षार्थिना उपस्थितिपत्रिकायां पुनः हस्ताक्षरं न क्रियते तर्हि 'परीक्षार्थिना उत्तर-पत्रं न दत्तम्' इति अभिप्रायः। इदम् अनुचितसाधनानां प्रयोगस्य रूपम् इति मन्तव्यम्।
12. वैद्युत-हस्तचालित-परिकलकस्य उपयोगः सर्वथा वर्जितः।
13. परीक्षाभवने कक्षे वा अनुकूलाचरणाय परीक्षार्थिनः सङ्घटनस्य सर्वैः नियमैः विनियमैः वा नियमिताः। अनुचितसाधनानाम् उपयोगेन सम्बद्धाः निर्णयाः सङ्घटनस्य नियम-विनियम-अनुवर्तनीयाः एव।
14. कस्यामपि परिस्थितौ परीक्षा-पुस्तिकायाः उत्तर-पत्रस्य वा कोऽपि भागः पृथक् न करणीयः।
15. **परीक्षासम्पन्नानन्तरं परीक्षार्थिनः परीक्षाभवन-परित्यजनात् पूर्वं उत्तर-पत्रं कक्षनिरीक्षकाय अवश्यमेव प्रदास्यन्ति। परीक्षार्थिनः इमां परीक्षा-पुस्तिकां नेतुम् अनुमताः।**

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. जिस प्रकार से विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए जाने हैं उसका वर्णन परीक्षा पुस्तिका में किया गया है, जिसे आप प्रश्नों का उत्तर देने से पहले ध्यान से पढ़ लें।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर-पत्र के **पृष्ठ-2** पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह **नीले/काले बॉलपॉइंट पेन** से भरें। एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है।
3. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर-पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ। परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर-पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें।
4. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर-पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर-पत्र के कोड या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी।
5. परीक्षा पुस्तिका/उत्तर-पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका कोड व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से उपस्थिति-पत्र में लिखें।
6. OMR उत्तर-पत्र में कोडित जानकारी को एक मशीन पढ़ेगी। इसलिए कोई भी सूचना अधूरी न छोड़ें और यह प्रवेश-पत्र में दी गई सूचना से भिन्न नहीं होनी चाहिए।
7. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश-पत्र के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य-सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
8. मोबाइल फोन, बेतार संचार युक्तियाँ (स्विच्ड ऑफ अवस्था में भी) और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएँ परीक्षा हॉल/कक्ष में नहीं लाई जानी चाहिए। इस सूचना का पालन न होने पर इसे परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग माना जाएगा और परीक्षार्थी के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, परीक्षा रद्द करने सहित।
9. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-पत्र दिखाएँ।
10. केन्द्र अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें।
11. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर-पत्र दिए बिना एवं उपस्थिति-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल/कक्ष नहीं छोड़ेंगे। यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार उपस्थिति-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए, तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर-पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा। **परीक्षार्थी अपने बाएँ हाथ के अँगूठे का निशान उपस्थिति-पत्र में दिए गए स्थान पर अवश्य लगाएँ।**
12. इलेक्ट्रॉनिक/हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है।
13. परीक्षा हॉल/कक्ष में आचरण के लिए परीक्षार्थी परीक्षण संस्था के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं। अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला परीक्षण संस्था के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा।
14. किसी हालत में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर-पत्र का कोई भाग अलग न करें।
15. **परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी हॉल/कक्ष छोड़ने से पूर्व उत्तर-पत्र निरीक्षक को अवश्य सौंप दें।** ***परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं।***

READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY :

1. The manner in which the different questions are to be answered has been explained in the Test Booklet which you should read carefully before actually answering the questions.
2. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with **Blue/Black Ballpoint Pen** on **Side-2** of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
3. The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
4. Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
5. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet/Answer Sheet in the Attendance Sheet.
6. A machine will read the coded information in the OMR Answer Sheet. Hence, no information should be left incomplete and it should not be different from the information given in the Admit Card.
7. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the Examination Hall/Room.
8. Mobile phones, wireless communication devices (even in switched off mode) and the other banned items should not be brought in the Examination Hall/Room. Failing to comply with this instruction, it will be considered as using unfair means in the examination and action will be taken against the candidate including cancellation of examination.
9. Each candidate must show on demand his/her Admit Card to the Invigilator.
10. No candidate, without special permission of the Centre Superintendent or Invigilator, should leave his/her seat.
11. The candidates should not leave the Examination Hall/Room without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where a candidate has not signed the Attendance Sheet second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case. **The candidates are also required to put their left hand THUMB impression in the space provided in the Attendance Sheet.**
12. Use of Electronic/Manual Calculator is prohibited.
13. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Examining Body with regard to their conduct in the Examination Hall/Room. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Examining Body.
14. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
15. **On completion of the test, before leaving the Hall/Room, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Hall/Room.** ***The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.***